an>

Title: Need to provide basic amenities to coal mine workers in Bhuli Nagar area of Dhanbad in Jharkhand.

श्री पशुपति नाथ सिंह (धनबाद) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके प्रति बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय को आज सदन में उठाने का मौका दिया। सन् 1949-51 के मध्य केन्द्र सरकार के अधीन कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्थान के द्वारा लगभग 1565 आवास भूली नगर, धनबाद (झारखंड) में निर्माण कराये गये थे। ये आवास कोयला श्रमिकों के लिए बनाये गये थे। उस समय भूली नगर एवं इसके आसपास की भौगोलिक स्थिति अत्यंत असुविधाजनक एवं भयावह थी, चारों ओर जंगल एवं यहां हर रहने वाले नागरिक असुरक्षित थे। उन्हें बिजली, पेयजल एवं सड़क यातायात जैसी असुविधाओं का सामना करना पड़ता था।

माननीय अध्यक्ष : यह क्या हो रहा है, आपका साथी बोल रहा है और आप उसके सामने खड़े हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री पशुपति नाथ सिंह: यहां आवास निर्माण के बावजूद इन आवासों में कोई भी किसी कीमत पर जाने एवं रहने को तैयार नहीं था।

सन् 1986 में लगभग 36 वर्षोंपरांत कोयला खान, श्रमिक कल्याणं संस्थान का विलय कोल इंडिया में हुआ परंतु सीएमएलडब्ल्यू के आवासीय सेल के द्वारा आवंटित आवासों में रह रहे लोगों को किसी प्रकार की सूचना या निर्देश नहीं किया गया। कोल इंडिया की इकाई भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के द्वारा भी 12-13 वर्षों तक उपरांत किराया वसूला जाता रहा। सन् 1999 के आस-पास भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के द्वारा किराया वसूली में शिथिलता बरती जाने लगी तथा 50 वर्षों से रहने वाले श्रमिकों को अनधिकृत बताया जाने लगा और यहीं से जान की बाजी लाकर नगर बसाने वाले लोगों एवं उनके परिवार के लोगों की दुर्दशा प्रारंभ हो गई है।

अतः मैं आपसे विनम्र आग्रह करता हूँ कि मेरे संसदीय क्षेत्र धनबाद के भूली नगर के नागरिकों के हित में उचित निर्णय कर लीज़ एवं उचित किराए दर सहित सभी मूलभूत सुविधाएं दिलाने का कष्ट करें। जिससे भूली नगर के नागरिकों को जनहित में राहत प्राप्त हो सके।